मूल्य 1 रु.
वर्षः 14 - अंक : 7, मुंबई, बुधवार, 21 फरवरी, 2024 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI
मोतीचूर लड्डू
बदाम बर्फी
काजू कतली
मलाई पेड़े
काजू रोल
रसगुल्ले
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP : www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W),Tel. : 288 99 501.

भायंदर से वसई रो-रो सेवा का उद्घाटन

रो-रो सेवा शुरू होने से यातायात पर भी असर पड़ेगी और ट्रैफिक जाम की समस्या पर कुछ हद तक अंकुश लगेगी, इससे स्थानीय नागरिकों में खुशी का माहौल है

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। भायंदर से वसई जलमार्ग से आने -जाने के लिए बहुप्रतीक्षित रो-रो सेवा का उद्घाटन मंगलवार को सांसद राजन विचारे के हाथों भायंदर जेट्टी पर संपन्न हुआ। इसके साथ ही अब जल परिवहन के माध्यम से 15 से 20 मिनट में ही भायंदर से वसई जाना आसान हो गया है। इस सेवा को शुरू करने के लिए सांसद विचारे विगत 9 वर्षों से सतत प्रयत्नशील थे।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

रो-रो सेवा के फायदे

मीरा भायंदर के नागरिकों को वसई जाने के लिए मुंबई-अहमदाबाद महामार्ग से करीब 40 किलोमीटर का रास्ता डेढ़ से दो घंटे में तय करना पड़ता था। ट्रैफिक जाम की स्थिति में और भी अधिक समय लगता और व्यर्थ ईंधन और पैसे खर्च करना पड़ता था। साथ ही वातावरण में प्रदूषण भी फैलती थी। अब इन सब समस्याओं से छुटकारा मिलेगी। 40 किलोमीटर का यह सफर अब जलमार्ग से मात्र साढ़े तीन किलोमीटर में सिमट गया है। जिस से 15 से 20 मिनट में ही भायंदर से वसई पहुंचा जा सकेगा। इससे पर्यावरण और पर्यटन प्रेमियों को रो -रो सेवा से अधिक फायदा होने की बात सांसद राजन विचारे नही कही है।

रो -रो सेवा की टिकट दर सूची (अ.क्र. यात्री और वाहन विवरण टिकट की कीमत)

1. मोटरसाइकिल (ड्राइवर के साथ) 60 रुपए
2. खाली थ्री व्हीलर रिक्शा मिनीडोर (ड्राइवर के साथ) रु. 100/-
3. चार पहिया वाहन (कार) (ड्राइवर के साथ) रु. 180/-
4. मछली, पक्षी, मुर्गी, फल आदि (प्रति टोकरी) और कुत्ता, बकरी, भेड़ (प्रति संख्या) रु. 40/-
5. यात्रा करने वाला वयस्क (12 वर्ष से अधिक) रु. 30/-
6. छोटे यात्री (3 से 12 वर्ष तक) रु. 15/-

मुख्यमंत्री ने अधूरी छोड़ी छत्रपति शिवाजी महाराज की कसम

जरांगे पाटिल का शिंदे पर हमला

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मंगलवार का दिन मराठा समाज के लिए बहुत खुशी दिन था, लेकिन मराठा नेता मनोज जरांगे पाटिल के लिए यह दिन इतना खास नहीं था। जैसा कि हम सब जानते है महाराष्ट्र सरकार ने विशेष सत्र आयोजित कर मराठा समुदाय को आरक्षण देने की घोषणा की है। ऐसे में अब मराठा समुदाय को शिक्षा में 10 फीसदी और नौकरी में 10 फीसदी आरक्षण दिया जाएगा, बता दें कि इससे जरांगे असहमत है। इस मौके पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज की शपथ ली और उसे पूरा किया।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

सीएम खुद स्वीकार करें...

जरांगे ने कहा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने छत्रपति शिवाजी महाराज की शपथ अधूरी छोड़ दी। ऐसा व्यवहार न करें जैसे कि आप मराठा समुदाय को धोखा देंगे। आखिर समाज बड़ा है। मनोज जरांगे पाटिल ने कहा कि मुख्यमंत्री को खुद स्वीकार करना चाहिए कि उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज की जो शपथ ली उसे अधूरी छोड़ा है। आगे उन्होंने कहा कि हमने वाशी में कहा कि मराठा के गुलाल का अपमान मत होने दीजिए। अगर कोई आपको मराठा आरक्षण के लिए काम नहीं करने दे तो उसका नाम बताएं और हट जाएं। फिर मराठा समाज सोचेगा की उसका क्या करना है।

डिस्काउंट पर फोन व कार दिलाने का झांसा देकर की 65.73 लाख रुपये की धोखाधड़ी, 4 लोगों पर

ठाणे। नवी मुंबई के पांच लोगों को महंगे मोबाइल फोन और कार पर छूट का झांसा देकर कथित तौर पर 65.73 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आरोपियों ने खुद को एक नामी कंपनी का कर्मचारी बताया था। कामोठे पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि उन्होंने पीड़ितों को 40 दिनों में कंपनी के कूपन के माध्यम से छूट पर महंगे मोबाइल फोन और कार दिलाने का झांसा देकर रकम निवेश करने का लालच दिया था।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) और 34 (सामान्य इरादा) के तहत मामला दर्ज

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

लाल सागर का संकट

अमेरिकी हमलों की शुरूआत के महीने भर बाद यह साफ है कि हूतियों पर उसका कोई असर नहीं हुआ है। हूती लगातार पश्चिमी जहाजों को भी निशाना बना रहे हैं। ऐसा करने की उनकी क्षमता किस हद तक बरकरार है, इसकी झलक फिर देखने को मिली है।

इस हफ्ते की शुरूआत के साथ यमन के अंसारुल्लाह गुट (जिसे हूती नाम से भी जाना जाता है) ने लाल सागर और आस पास के क्षेत्रों में जोरदार हमले किए हैं। अंसारुल्लाह के मुताबिक रविवार को अदन की खाड़ी में एक ब्रिटिश मालवाही जहाज पर उन्होंने मिसाइलें दागीं, जिनसे जहाज को गंभीर नुकसान पहुंचा। ब्रिटिश अधिकारियों ने स्वीकार किया है कि ब्रिटिश जहाज के पास विस्फोट हुआ। उन्होंने कहा है कि इस खबर की जांच कराई जा रही है। सोमवार को अंसारुल्लाह ने दो अमेरिकी जहाजों पर निशाना साधा। खबर है कि इन मिसाइलों से इन जहाजों को खासा नुकसान हुआ है। उन्होंने अमेरिका के एक हमलावर एमक्यू-9 रीपर ड्रोन को भी मार गिराया। गजा में फिलस्तीनियों के नरसंहार के विरोध में हूतियों ने नवंबर में लाल सागर से गुजरने वाले इजराइल से किसी भी प्रकार से संबंधित जहाजों पर हमला करने का एलान किया था। इसके जवाब में पिछले महीने अमेरिका और ब्रिटेन ने यमन में हूती ठिकानों पर हमले शुरू किए। लेकिन इन हमलों की शुरूआत के महीने भर बाद यह साफ है कि हूतियों पर उसका कोई असर नहीं हुआ है। बल्कि उसके बाद से हूतियों ने ब्रिटेन और अमेरिका से संबंधित जहाजों को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। ऐसा करने की उनकी क्षमता किस हद तक बरकरार है, इसकी झलक इस हफ्ते फिर देखने को मिली है। इसका कारण यह बताया जाता है कि आठ साल तक सऊदी अरब से चले युद्ध के दौरान हूतियों ने अपने हथियारों और लड़ाकुओं को गुफाओं और पहाड़ों के बीच बने बंकरों में छिपा कर रखने का मजबूत इंतजाम किया हुआ है। अमेरिका और ब्रिटेन के लड़ाकू जहाजों को उन ठिकानों की टोह नहीं है। इस नाकामी से एक नौसैनिक शक्ति के रूप में अमेरिका और ब्रिटेन की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा में सेंध लगी है। चूंकि कारोबारी जहाजों के लिए लाल सागर का रास्ता असुरक्षित हो गया है, तो उसका खराब असर अमेरिका और यूरोपीय अर्थव्यवस्थाओं पर भी हो रहा है। इस रूप में इजराइल का हर हाल में समर्थन करने की नीति की महंगी कीमत पश्चिम को चुकानी पड़ रही है।

इकरा यूनानी मेडिकल कॉलेज का डिग्री वितरण समारोह सम्पन्न

डॉक्टरी पेशा सिर्फ पैसा कमाने तक ही सीमित न हो : एजाज मालिक

मुंबई हलचल / सांाददाता

जलगाँव। जिले के मोहाड़ी रोड स्थित एक मात्र एआरके इकरा यूनानी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में बीते शनिवार को कॉलेज द्वारा आयोजित वार्षिक डिग्री वितरण व सम्पन्न कार्यक्रम धूमधाम से सम्पन्न हुआ। मिली जानकारी के अनुसार कॉलेज के 49 छात्र-छात्राओं को बीयूएमएस की डिग्री वितरित कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि उक्त संस्था के सचिव एजाज मालिक रहे। वहीं उक्त कार्यक्रम अब्दुल करीम सालार की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इसी कड़ी में अमीन बादलीवाला,अजीज सालार,नबी दादा बागबान व तारिक अनवर शेख ने बतौर विशिष्ठ अतिथि शिरकत की।

सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ आकाश में गुब्बारे उड़ाकर, आतिशबाजी करके व कुरान शरीफ की आयतें सुरह इकबाल व नात-ए-पाक पढ़कर किया गया। मुख्यातिथि एजाज मालिक ने कहा कि आज हमारे कॉलेज से सैकड़ों छात्र-छात्राएं डॉक्टर बनकर निकल रहे है। ये हमारे व संस्था के लिए एक गौरव का पल भी है। एजाज ने कहा कि आगे चलकर डॉक्टर का पेशा सिर्फ पैसा कमाना ही नही बल्कि मानव सेवा से जुड़ा होना चाहिए ताकि मरीज की दुआ व खुदा की मेहरबानी उसके पेशे पर हमेशा बनी रहे। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि बीते वर्ष 1986 में स्थापित हुए संस्था 40 छात्र-छात्राओं से आज 9 हजार बच्चें शिक्षा ग्रहण कर रहे है। इसी बीच उन्होंने एक अहम जानकारी उक्त कार्यक्रम में सांझा करते हुए बताया कि अगले साल से संस्था में कुछ शैक्षणिक कोर्स भी शुरू होने जा रहे है। संस्था के होनहार बच्चों ने विभिन्न क्षेत्रों में टॉप करते हुए गोल्डमेडल हासिल कर संस्था का नाम स्वर्ण अक्षरों में भी लिखवाया है। कार्यक्रम में सभी सभी विशिष्ठ अतिथियों को पुष्प गुच्छ(बुक्के) देकर सम्मानित किया गया। मुख्यातिथि ने सभी 49 छात्र-छात्राओं को स्टेज के माध्यम से बीयूएमएस की डिग्री व सम्मान चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कॉलेज प्राचार्य डॉ.अब्दुल कुद्दूस ने कहा कि हमें आशा ही नही बल्कि पूरा विश्वास भी है कि संस्था से शिक्षा ग्रहण करके जो आज बच्चें निकल रहे है वो अपनी मेहनत व लगन से अपने डॉक्टरी व्यवसाय में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर समाज सेवा के भाव को भी मन मे जागृत करेंगे। डॉ. कुद्दूस ने उक्त सभी बच्चों को शुभकामनाएं भी दी है। उप प्राचार्य डॉ.शोएब शेख ने कहा कि डॉक्टर का पेशा बहुत ही जिम्मेदारी का है। माता-पिता, शिक्षकों के प्रति आदर भाव उंसके पेशे व प्राप्त शिक्षा में झलकने चाहिए। मंच का सफल संचालन अयाज मोहसिन द्वारा किया गया। इस कार्य के लिए कॉलेज प्रबंधक कमेटी ने भी जमकर सराहना की है। इस अवसर पर कॉलेज का शिक्षण स्टाफ,नॉन टीचिंग स्टाफ, छात्र-छात्राएं व उनके परिजन भी इस भव्य कार्यक्रम में मौजूद रहे।

प्यारी बहनों अपने ईमान की हिफाजत खुद करो दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे कीमती चीज ईमान है, मुहम्मद सालीम अबुल कलाम शकील इमामी भौआरवी

मुंबई हलचल/ मो सालीम आजाद मधुबनी। हमारी कौम की कुछ शहजादियों कब्रिस्तान छोड़कर शमसान की तरफ जा रही हैं। याद रखो मरने के बाद इस दुनिया में भी जलोगी और आखेरत में भी दहकती हुई आग में जलती रहोगी मेरी प्यारी बहनों संभहल जाओ अभी भी वक्त है। ईमान सबसे बड़ी दौलत है दुनिया के पीछे मत भागो क्योंकि इस दुनिया के बारे में अल्लाह तआला ने हमारे पैगंबर से कहा था ए मेरे महबूब अगर इस दुनिया की कीमत एक मछ्छर के पर के बराबर होती तो मेरी इज्जत और अजमतकी कसम में इस को न बनाता अब आप खुद ही अंदाजा करो क्या हैसियत हैं इस दरफानी की उसकी सब आसाइशे आरजी है फिना होने वाली है क्या आप ने यह आयात नही सुनी कुलमन अलैयहा फान

(हरचिज फना होने वाली है) तो मेरी बहनों, तुम्हें किस चिज ने धोखा में डाल दिया है, तुम कहाँ जा रही हो उममत की शहजादियें जरा होश के नाखून लो और अपने आप को जहन्नम से बचाओ।, मेरी प्यारी बहनों अपने इमान कि खुद हिफाजत करो दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे कीमती चीज इमान है अगर आप ने अपना ईमान खो दिया

तो आप से बड़ा बदकिस्मत गरीब जलील और रुसवा कोई नही होसकता दुनिया में भी जिल्लत रुसवाई और जन्नत से हमेशा के लिए महरुमी आप का मुकद्दर बन जाएगी और आखेरत में हमेशा हमेश जहन्नम मे दहकती अंगारो मे जलती रहोगी इन खयालात का इजहार मदरसा इस्लाहे ईमान व अमल के पूर्व शिक्षक मुहम्मद सालीम अबुल कलाम शकील इमानी ने व्यक्त किये। यदि संसार में जल रही आग को सहन नहीं किया जा सकता, तो जरा सोचो, आप इस आग को कैसे सहन कर पाओगे जो इस सांसारिक अग्नि से सत्तर गुना अधिक है। मेरी बहनों स्वयं इस्लाम के बारे में जानें और पैगंबर की सुन्नत का पालन करने का प्रयास करें जिन्होंने आपको नया जीवन दिया। क्या आप वह समय भूल गए हैं उस वक्त को जब आपका पैदा होना हि बाऐस तौहीन हुआ करता था और आप का इस दुनिया में पैदा होते ही आप का भाई और तुम्हारे बाप तुम्हें जिंदा दफना देते करते थे कियों के तुम्हे उस पैगम्बर की इज्जत का ख्याल नही आता जिसने तुम्हारे लिए अपनों को दुश्मन बना लिया और पूरी उम्मत को ये सबक सिखाया कि बेटियां वबाल नही होती बेटियां पैदा होना कोई ऐब नहीं होता बल्कि बेटियाँ तो खुदा की रहमत हैं मेरी बहनो उस वक्त हमारे पैगंबर ने आपको एक गहरे दलदल से बाहर निकालकर खुशनुमा इज्जत के बगीचे में आप को लाकर खड़ा किया था लेकिन अफसोस फिर से मेरी उम्मत की शहजादियाँ दुनिया की जाहरी असाईशो को देखकर उसी दलदल में गिरने जा रही है मेरी बहनों जरा सोचो उस वक्त को जब मैदान महशर लगेगा आप को प्यारे आका के सामने पेश किया जाएगा आप क्या मुँह दिखाओगी उस वक्त प्यारे आका को जब वह आप को इस हालत में हालत में देखेंगे और क्या कहेंगे कि जिस दलदल से मैंने तुम्हें निकाला था फिर से उसमें फंस गई आखिर किस चिज ने तुम्हें यह सब करने को मजबूर किया था क्या मेरा दिन इतना कठिन था जो तुम्हे रास नहीं आया इसीलिए मेरी बहनों ऐसा कदम न उठाओ जिससे मेरे आका को तकलीफ हो जिससे हमें शर्मिंदगी और रुसवाई का सामना करना पड़े बल्कि मेरी बहनों ऐसा कदम उठाओ जिससे प्यारे आका खुश होकर आपसे गले मिले और आपको जन्नत में ही ले जाकर छोड़ें इसलिए मेरी बहनों दिन की दाइया वालीउल्लाह बनो सो फिसद पर्दा दाढ़ी करो मां और बाप की फरमाबरदार बनो क्योंकि उनकी नाफरमानी कर रही हो क्यों उनकी इज्जत को रोनद रही हो क्यों मां-बाप का सर झुका रही हो अरे नादानों सबकी इज्जत तुम्हारे हाथ में है बहन भाई की मां-बाप की बल्की पूरे मआशरे की अल्लाह के वास्ते मैं आपके सामने हाथ जोड़ती हूं अपनी इज्जत और ईमान की खुद हिफाजत करो तो प्यारी बहनो देर किस बात की अभी भी वक्त है अपे आप को सुधारो दिन की राह पर चलो अपने आप की हिफाजत करो और अगर कोई गल्ती हो चुकी है तो लोट आओ मेरे रब की तरफ यकीन मानो वह बड़ा रहीम है वह बड़ा करीम है वह सारे गुनाह बख्श देता है तुम एक बार कदम बढ़ा कर देखो वह अपने करीब कर लेता है

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

नासिक के अंबाद पुलिस स्टेशन में पुलिसकर्मी ने खुद को मारी गोली

मुंबई हलचल/संवाददाता

नासिक। एक पुलिस निरीक्षक ने मंगलवार सुबह नासिक के अंबाद पुलिस स्टेशन में अपने केबिन के अंदर अपनी सर्विस रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली। इंस्पेक्टर की पहचान अशोक नाजन (40) के रूप में हुई है। सुबह 10 बजे हुई इस घटना से क्षेत्र में गतिविधि बढ़ गई है, सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मामले की जांच के लिए अंबाद पुलिस स्टेशन पहुंचे। नाजन के इस अतिवादी कदम के पीछे का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नाजन रोजाना की तरह ड्यूटी पर रिपोर्ट करने के

बाद अपने केबिन में बैठे थे. जब चौंकाने वाला खुलासा हुआ तब पुलिस स्टेशन में सभी कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज की जा रही थी। नाजन के केबिन से गोली चलने की आवाज आई और हर कोई केबिन की ओर दौड़ा, लेकिन देखा कि वह खून से लथपथ कुर्सी पर पड़ा हुआ है। बाद में पता चला कि नाजन ने खुद को सिर में गोली मार ली थी। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस उपायुक्त मोनिका राउत, सहायक पुलिस आयुक्त शेखर देशमुख और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दिलीप ठाकुर तुरंत पुलिस स्टेशन पहुंचे। नाजन की आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए मामले की जांच शुरू कर दी गई है. पुलिस आयुक्त संदीप कार्णिक और अपराध शाखा के उपायुक्त प्रशांत बच्चाओ भी जांच की निगरानी के लिए पुलिस स्टेशन पहुंचे हैं। जैसे-जैसे अधिकारी नाजन के दुखद निधन के आसपास की परिस्थितियों की गहराई से जांच कर रहे हैं, समुदाय एक समर्पित पुलिस अधिकारी के निधन पर शोक मना रहा है।

प्रेस संपादक एवं पत्रकार सेवा संघ की ओर से शिव जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

मुंबई हलचल/संवाददाता

नांदेड़। हदगांव शहर में हर साल की तरह इस साल भी प्रेस संपादक और पत्रकार सेवा संघ, हदगांव तालुका की ओर से छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई और शिव जयंती के अवसर पर सभी को खिचड़ी वितरित की गई। राजेश राऊत, प्रेस संपादक एवं पत्रकार सेवा संघ के नदिड़ जिला उपाध्यक्ष राजेश ममीदवार, हदगांव तालुका अध्यक्ष शिवाजी जोजर, उपाध्यक्ष अरविंद भोरे, कैलास तलवरे, अभिजीत देवसरकर, खांडेकर एवं अनेक पत्रकार बंधु एवं हदगांव के प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति अनुपस्थित थे।

प्रेस संपादक एवं पत्रकार सेवा संघ, हदगांव तालुका की ओर से संस्थापक अध्यक्ष डी. टी. अंबेगवे, मंत्रालय एवं विधानमंडल प्रमुख पंडित मोहिते-पाटिल राज्य महिला अध्यक्ष डॉ. सुधाताई कांबले, राज्य सांस्कृतिक प्रमुख प्रशांत विलंकर, राज्य उपाध्यक्ष पंकज वानखेड़े विनायक सोलसे, महेश जाधव, विशाल पवार, राज्य महासचिव संजीव भाम्बोर, राजू जाधव,

दशरथ अडसूल, अशोक इंगवाले, साईनाथ जाधव, नवनाथ कपले, शमशुद्दीन शेख, महिला उपाध्यक्ष सविता चंद्रा, प्रदेश कोषाध्यक्ष लक्ष्मण कांबले, युवा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नितिन शिंदे, युवा कार्यकारी अध्यक्ष प्रशांत राजगुरु, विदर्भ अध्यक्ष केशव सावलकर, पश्चिमी महाराष्ट्र अध्यक्ष सुभाष चिंधे, कार्यकारी अध्यक्ष शशिकांत पोरे, संपर्क अधिकारी जय कराडे, मराठवाड़ा महिला अध्यक्ष सुमति व्याहल्कर, कार्यकारी अध्यक्ष हुकूमत मुलानी, संपर्क अधिकारी आनंद भालेराव, कोंकण अध्यक्ष जयप्रकाश पवार, संपर्क अधिकारी संतोष वावल, कोंकण महिला अध्यक्ष दीपिकाताई चिपलूनकर, कोंकण आयोजक श्रीराम कदम, कोंकण उपाध्यक्ष योगेश भामरे, कानूनी सलाहकार सलाहकार। अमोल साकत, अधिवक्ता. गजेंद्र चंद्रा, सलाहकार। रत्नाकर पाटिल, एडवोकेट जितेंद्र पाटिल, एडवोकेट परेश जाधव, राज्य सलाहकार प्राचार्य डॉ. वसंत बिरादर, विट्ठल शिंदे, महाराष्ट्र के सभी जिला अध्यक्षों और तालुका अधिकारियों ने शुभकामनाएं दीं।

यवतमाल के चिकनी गांव में 200 तीर्थयात्री फूड प्वाइजनिंग से बीमार

मुंबई। महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के चिकनी गांव में महानुभाव पंथ के 200 तीर्थयात्रियों को फूड प्वाइजनिंग की वजह से विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। फिलहाल सभी की हालत पहले से बेहतर है। यवतमाल पुलिस के अनुसार सोमवार को महानुभाव पंथ के लोगों ने यवतमाल जिले के माहुर से तीर्थयात्रा शुरू की थी। इन लोगों के लिए सोमवार रात भोजन की व्यवस्था चिकनी गांव की गई। भोजन के बाद 200 श्रद्धालुओं की उल्टी होने लगी। इसके बाद सभी को अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें से 40 तीर्थयात्रियों का इलाज यवतमाल के दारवा उप जिला अस्पताल में हो रहा है। 18 लोगों को यवतमाल सरकारी कालेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने भोजन के सैंपल को जांच के लिए प्रयोगशाला में भेज दिया है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

भायंदर से वसई रो-रो सेवा का उद्घाटन

मे.सुवर्ण दुर्ग शिपिंग एंड मरीन सर्विसेस प्रा.ली कंपनी को रो -रो फेरीबोट सेवा संचालित करने का ठेका महाराष्ट्र सागरी मंडल ने दिया है। रो-रो सेवा शुरू होने से यातायात पर भी असर पड़ेगी और ट्रैफिक जाम की समस्या पर कुछ हद तक अंकुश लगेगी। इससे स्थानीय नागरिकों में खुशी का माहौल है। रो-रो सेवा के उद्घाटन के अवसर पर सांसद विचारे के साथ शिवसेना (यूबीटी) जिलाप्रमुख प्रभाकर म्हात्रे, उपजिला प्रमुख लक्ष्मण जंगम, अजित गंडोली, शेखर पाटील, जिला संगठक स्नेहल सावंत, उपजिला संगठक प्राची पाटील, शहर संगठक तेजस्वी पाटील, जिला सचिव राजेश सिंह, शहरप्रमुख जितेंद्र पाठक, प्रशांत सावंत, उपशहर प्रमुख विनायक नलावडे, अशोक मोरे, आस्तिक म्हात्रे, पूर्व उप महापौर प्रवीण पाटील, ठामपा के पूर्व नगरसेवक संजय दलवी, शाखाप्रमुख संतोष पोतदार, संदीप पाटील, संदीप तांबे, नरेंद्र उपरकर, उपशाखाप्रमुख उमेश आंबेरकर, उपशहर संगठक अस्मिता पाटील और अन्य शिवसेना पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने अधूरी छोड़ी छत्रपति शिवाजी महाराज की कसम

ऐसे में अब शिंदे के इस बयान पर जरांगे ने कड़ा हमला किया है। जैसा कि शिंदे ने कहा कि उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज की शपथ ली और उसे पूरा किया लेकिन मनोज जरांगे पाटिल ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के दावे को खारिज कर दिया है। मनोज जरांगे पाटिल ने कहा है कि मुख्यमंत्री ने छत्रपति शिवाजी महाराज की शपथ अधूरी रखी। मराठा आरक्षण आंदोलनकारी मनोज जरांगे ने आंदोलन जारी रखते हुए कहा है कि वे हमें वह दे रहे हैं जो हमने नहीं मांगा। मनोज जरांगे पाटिल ने कहा है कि विशेष सत्र से हमें कोई फायदा नहीं हुआ है। इस बार मनोज जरांगे ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर भी निशाना साधा है। जरांगे ने कहा कि सरकार के कल के सत्र के बाद हमें निराशा हुई। अब मान लीजिए कि आज से आंदोलन का प्रयोग शुरू हो गया है। आज हम सभी से चर्चा करेंगे और आंदोलन की दिशा तय करेंगे। पूरे देश में आंदोलन होगा। इतना ही नहीं बल्कि अब ये आंदोलन दिल्ली के लाल किले तक जायेगा। आगे उन्होंने कहा कि मराठा सिर्फ न्याय चाहते हैं। हम जल्द ही बैठक कर आंदोलन की दिशा तय करेंगे। गांव में लोग हैं, आने में थोड़ा वक्त लगेगा। मनोज जरांगे पाटिल ने कहा है कि बैठक में थोड़ा वक्त लगेगा। ऐसे में अब संभग्ना है कि महाराष्ट्र में किये जाने वाला यह मराठा आंदोलन अब पुरे देश में उग्र रूप लेगा।

डिस्काउंट पर फोन व कार दिलाने का झांसा देकर की 65.73 लाख रुपये की धोखाधड़ी

पीड़ितों ने अगस्त 2023 और जनवरी 2024 के बीच सामूहिक रूप से 65.73 लाख रुपये का निवेश किया था। जब आरोपियों ने वादे के मुताबिक सामान नहीं दिया और गोल-मोल जवाब दिया तो स्वरोजगार करने वाली 34 वर्षीय एक पीड़िता ने कामोठे पुलिस से संपर्क किया। अधिकारी ने बताया कि उनकी शिकायत के आधार पर पुलिस ने सोमवार को मुंबई के एक दंपति समेत चार आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) और 34 (सामान्य इरादा) के तहत मामला दर्ज किया।

महाराष्ट्र में 39 लोकसभा सीट पर एमवीए के घटक दलों के बीच बनी सहमति

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के संस्थापक शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि महा विकास आघाडी के घटक दलों के बीच महाराष्ट्र में 39 लोकसभा सीट पर सहमति बन गयी है। उन्होंने कहा कि शेष पांच-छह सीट पर अभी और चर्चा की जाएगी। महाराष्ट्र में लोकसभा की कुल 48 सीट है। पवार, छत्रपति साहू महाराज से मिलने के बाद कोल्हापुर में संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। राकांपा संस्थापक ने आगामी लोकसभा चुनाव में साहू महाराज को एमवीए से प्रत्याशी बनाने का प्रस्ताव किया है। विपक्षी दलों के बीच सीट के बंटवारे की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर पवार ने कहा, 39 सीट पर सहमति बन गयी है। हम शेष पांच-छह सीट पर चर्चा करेंगे। महाराष्ट्र में निर्विरोध जीते अशोक चव्हाण समेत पांचों उम्मीदवार, जानें विपक्ष के अकेले कैंडिडेट का क्या हुआ? उन्होंने कहा कि उन्होंने साहू महाराज की उम्मीदवारी के बारे में घटक दलोंझ शिवसेना (यूबीटी), राकांपा (शरदचंद्र पवार) और कांग्रेस के साथ चर्चा नहीं की है। पवार ने कहा, उन्हें लोकसभा चुनाव लड़ते देखकर मुझे प्रसन्नता होगी। वह लंबे समय से सामाजिक कार्य कर रहे हैं।

छात्रों को अत्याधुनिक स्मार्ट कक्षाएं और पुस्तकालय की सुविधा मिली

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

बिहार में आईआईटी-आईआईएम के भवन का पीएम ने किया उद्घाटन

पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को आईआईटी पटना के नवनिर्मित 24 भवनों, आईआईएम बोधगया के स्थायी भवन तथा भागलपुर ट्रिपल आईटी के नए स्थायी भवन का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन किया। अब यहां पठन-पाठन का कार्य और बेहतर ढंग से संचालित हो सकेगा।

आईआईएम, बोधगया के भवन के उद्घाटन होने से छात्रों को अत्याधुनिक स्मार्ट कक्षाएं और पुस्तकालय आदि की और बेहतर सुविधाएं मिलने लगी हैं। 128 करोड़ की लागत से भागलपुर में ट्रिपल आईटी भवन के उद्घाटन से छात्र-छात्राओं को भी सुविधाएं मिलेगी। कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीएम नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा तथा विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुमित कुमार सिंह भी जुड़े।

466 करोड़ की लागत से बने आईआईटी पटना में 24 भवनों के निर्माण होने से अकादमिक ब्लॉक, केंद्रीय पुस्तकालय, छात्रावास, सेंट्रल लेक्चर हॉल और स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर सहित अन्य सुविधाएं छात्रों को मिलने लगी है।

एम्स से पंजाब और हिमाचल के लोगों को भी मिलेगा लाभ

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जम्मू का पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने जम्मू दौरे के दौरान उद्घाटन किया। एम्स सांबा जिले के विजयपुर में स्थित है जो 226.84 एकड़ में फैला हुआ है। इसे 1661 करोड़ की लागत से तैयार किया जा रहा है। जम्मू-कश्मीर में 2 एम्स बन रहे हैं जिनमें से जम्मू एम्स का उद्घाटन आज प्रधानमंत्री मोदी ने किया। यह एम्स प्रदेश में चिकित्सा क्षेत्र में एक नई क्रांति को लाएगा और जम्मू-कश्मीर सहित पंजाब व हिमाचल के लोगों को भी स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा। पीएम मोदी ने बताया कि जम्मू-कश्मीर में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 2014 में 4 से बढ़कर आज 12 हो गई है, 2014 में 500 की तुलना में 1300 से अधिक एमबीबीएस सीटें हैं। 650 पीजी मेडिकल सीटें, जबकि 2014 में कोई नहीं थी। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में देश में 15 नए एम्स स्वीकृत किए गए हैं।

खास बातें एम्स के विषय में

30 से ज्यादा जनरल सुपर स्पेशियलिटी विभाग

1661 करोड़ से तैयार किया जा रहा

01 मार्च से आरंभ होंगी सभी सुविधाएं

750 बेड स्थापित होंगे पहले चरण में

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का समापन

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राजपूत

राजस्थान। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के पांच दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण शिविर दिनांक 13 फरवरी से 19 फरवरी तक के समापन समारोह के मुख्य अतिथि अतिरिक्त मुख्य ब्लाक शिक्षा अधिकारी भंवरलाल सेन तथा शिविर प्रभारी संदर्भ व्यक्ति सुरेश चन्द्र माली की उपस्थिति में समापन समारोह में अध्यापक घासी राम जाट, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बराना ने अपने मनोभाव प्रकट किए, जिसमें उन्होंने कहा कि पिछले पांच दिनों से स्वामी विवेकानंद सीनियर सेकेंडरी मोडल स्कूल आसीन्द में यह गैर आवासीय प्रशिक्षण शिविर चल रहा है जिसमें बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रत्येक शिक्षक को हर एक बच्चे में नवाचारों को प्रोत्साहित करना,तकनीकी विकास करना तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों को हासिल करना होगा, मूल्यांकनों की अवधारणाओं में टूल्स व तकनीकी का उपयोग करना होगा तथा रटन्त प्रणाली से बाहर आकर निपुण भारत मिशन में प्रवीणता प्राप्त करने के साथ साथ बच्चों के सीखने के स्तर में बदलाव लाना होगा। नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति में अब प्रत्येक शिक्षक को केवल विद्यालय में ही नहीं अपितु विद्यालय से बाहर भी शिक्षकों को अपने विद्यार्थियों के निर्माण के लिए अनवरत ज्ञानार्जन के साथ-साथ, सामाजिक तथा राष्ट्रीय भावों में मूल्यों की स्थापना के साथ बच्चों के जीवन कौशलों का निर्माण करना होगा। भारत में मैकाले की शिक्षा पद्धति में हम गुरु से टीचर बन गये थे अब समय आ गया है पुनः टीचर से गुरु के रुप में स्थापित होने का, मगर यह तभी संभव होगा जब प्रत्येक शिक्षक अपने बच्चों को सर्वांगीण विकास के लिए प्राण-प्रण से जुटेगा।

डॉ. रानी तंवर साहित्य व लेखन में विशेष उपलब्धि के लिए सम्मानित

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राजपूत

राजस्थान। जयपुर (जे.पी. शर्मा) ज्ञान विहार यूनिवर्सिटी सभागार में राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान समारोह 2024 आयोजित हुआ। जिसमें प्रदेश के प्रतिभाशाली व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय काव्य साधिका मंच जयपुर की अध्यक्षा कवयित्री डॉ. रानी तँवर को शिक्षा, साहित्य, लेखन में विशेष उपलब्धि हेतु सम्मानित किया गया। डा. तँवर अपने साहित्यिक मंच के माध्यम से प्रतिभावान कवयित्रियों को एक नई दिशा प्रदान कर महिला उत्थान का एक पुनीत कार्य कर रही हैं। यह खबर बरिष्ठ पत्रकार मणिमाला शर्मा द्वारा दी गई।

खबर संक्षेप

यमुना में नहाने गए चार छात्र डूबे

नई दिल्ली। बुराड़ी इलाके के चौहान पट्टी में यमुना में नहाने गए चार छात्र डूब गए। मंगलवार शाम इस घटना की सूचना पर पुलिस, दमकल विभाग और बोट क्लब की मौके पर पहुंची। रात को 3 छात्रों के शव यमुना से निकाल लिए गए। इनकी पहचान आदित्य रावत, शिवम यादव और रमन सिंह के रूप में हुई। पुलिस ने शवों को सब्जी मंडी मोर्चरी भेजा है। चौथे छात्र उदय आर्य की तलाश अभी जारी है।

टीवी एक्टर ऋतुराज नहीं रहे, हार्ट अटैक से मौत

मुंबई। टीवी इंडस्ट्री के दिग्गज एक्टर ऋतुराज सिंह का सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात को हार्ट अटैक से निधन हो गया। उनकी उम्र 59 साल बताई जा रही है। ऋतुराज को मुंबई के लोखंडवाला स्थित घर पर ही दिल का दौरा पड़ा था। एक्टर के निधन से टीवी इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। फैंस को भी काफी सदमा लगा है। 90 के दशक में कई अहम रोल किए थे।

संदेशखाली में महिलाओं का उत्पीड़न: राजभवन ने संवेदनशील पहल की

पीड़िताओं के लिए राजभवन के दरवाजे खोले, डर लगता है तो 'आप' यहां रहिए

मुंबई हलचल / कोलकाता

राज्यपाल बोस से संदेशखाली की पीड़ित महिलाओं ने लगाई थी गुहार

पिछले एक महीने से देशभर में सुर्खियों में बना पश्चिम बंगाल के संदेशखाली क्षेत्र पर अब राजभवन भी सक्रिय हो गया है। संदेशखाली में महिलाओं के उत्पीड़न और कथित तौर पर टीएमसी कार्यकर्ताओं के हमले की शिकायतों पर सरकार के एक्शन नहीं लेने से राजभवन सख्त हो गया है।

स्वयं गवर्नर सीवी आनंद बोस 12 फरवरी को संदेशखाली जाकर पीड़ित महिलाओं से मुलाकात की थी। इस दौरान कई महिलाओं ने उन्हें अपने साथ हुए अत्याचार की जानकारी दी थी। बाद में राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी इलाके का दौरा किया और महिलाओं से जानकारी ली। कई पीड़ित महिलाओं और उनके परिवार वालों ने राजभवन में फोन करके सुरक्षा की मांग की है। इस पर गवर्नर ने अफसरों को राजभवन में पीस होम खोलने का आदेश दिया। उनके निर्देश पर तीन कमरों का एक पीस होम बनाया गया है। इन कमरों में पीड़ित महिलाएं आकर रह सकती हैं। इनको वहां रहने, खाने समेत सभी सुविधाएं मुफ्त में मिलेंगी। उनकी देखभाल के लिए महिला कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

गवर्नर इस मुद्दे को व्यक्तिगत देख रहे

राजभवन की ओर से कहा गया है कि अगर किसी पीड़िता को डर लग रहा है तो वह राजभवन में आकर रह सकती है। गवर्नर की ओर से पीड़ित महिलाओं की हर तरह से रक्षा करने का आश्वासन दिया गया है। गवर्नर इस मुद्दे को व्यक्तिगत रूप से देख रहे हैं। उधर, गवर्नर आनंद बोस मंगलवार को उत्तर दिनाजपुर जिले के चोपड़ा पहुंचे। वहां उन्होंने उन चार बच्चों के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। जिनकी भारत-बांग्लादेश सीमा के पास जल निकासी विस्तार के दौरान कथित तौर पर मिट्टी धंस जाने से मौत हो गई थी।

भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ सिख अधिकारी की बहस

सिर्फ पगड़ी पहनी है तो आप मुझे खालिस्तानी कहोगे?

संदेशखाली में महिलाओं के साथ कथित यौन उत्पीड़न का मामला काफी तूल पकड़ चुका है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने संदेशखाली का दौरा किया है। इस दौरान एक सिख अधिकारी को भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा 'खालिस्तानी' कहे जाने का मामला भी काफी चर्चा में है। सिख आईपीएस अधिकारी के साथ भाजपा नेताओं की संदेशखाली जाने से रोकने पर बहस हुई थी। जिसके बाद जोशल मीडिया पर कहा गया कि भाजपा नेताओं ने अधिकारी को 'खालिस्तानी' कहा है। भाजपा नेताओं ने इस बात को खारिज किया है।

संदेशखाली केस की एनआईए करेगी जांच

संदेशखाली केस में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) की शुरुआती जांच बैठ गई है। मंगलवार को बताया गया कि जल्द इस मामले में एफआईआर दर्ज की जा सकती है। फिलहाल जांच एजेंसी मामले के आरोपी शाहजहां शेख की तलाश में जुटी है।

सुवेंदु संदेशखाली पहुंचे

स्थानीय लोगों से मिले यहां के हालात भी जाने

कलकत्ता हाई कोर्ट की खंडपीठ द्वारा संकटग्रस्त क्षेत्र का दौरा करने की अनुमति दिए जाने के बाद पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी मंगलवार को राज्य के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली पहुंचे। पुलिस ने इससे पहले दिन में राज्य की विधानसभा में विपक्षी नेता अधिकारी को संकटग्रस्त क्षेत्र में जाने से रोक दिया था जहां धारा 144 लागू की गई है। अधिकारी ने कहा कि उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ के आदेश का पालन करते हुए पुलिस ने अब मुझे और मेरे साथी भाजपा विधायक शंकर घोष को संदेशखाली जाने की अनुमति दे दी है। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा उन्हें धमखाली नौका घाट तक ले जाया गया जहां से उन्होंने संदेशखाली पहुंचने के लिए नाव से कालिंदी नदी को पार किया। संदेशखाली में महिलाओं सहित स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत किया। कलकत्ता उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने मंगलवार सुबह अधिकारी को संदेशखालि जाने की अनुमति दी।

कलकत्ता हाईकोर्ट से ममता सरकार को झटका

भाजपा की बड़ी जीत, संदेशखाली जाने की इजाजत

कलकत्ता हाई कोर्ट ने पश्चिम बंगाल की ममता बेनर्जी सरकार को एक बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी को उत्तर 24 परगना जिले के संकटग्रस्त संदेशखली गांव में जाने की इजाजत दे दी है जिसके बाद वह संदेशखली पहुंच गए। कलकत्ता हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस टीएस शिवगणनम और जस्टिस हिरण्मय भट्टाचार्य की बेंच ने मंगलवार को शुभेंदु अधिकारी को संदेशखली जाने के लिए सशर्त मंजूरी दे दी। कोर्ट के इस आदेश को ममता बेनर्जी की सरकार के लिए एक बड़े झटके के तौर पर देखा जा रहा है क्योंकि इससे पहले अधिकारी को पहले दो बार क्षेत्र का दौरा करने से रोक दिया गया था।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को लगाई फटकार

अभी तक समस्या की जड़ शाहजहां बाहर क्यों?

संदेशखाली केस को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने मंगलवार को बंगाल सरकार को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा- शुरुआती तौर पर ये साफ है कि टीएमसी नेता शाहजहां ने लोगों को नुकसान पहुंचाया। जिस शाहजहां पर रेप और जमीन हड़पने के आरोप हैं, ऐसा लगता है कि वो पुलिस की पहुंच से बाहर है। कोलकाता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस टीएस सिवागननम और जस्टिस हिरन्मय भट्टाचार्य की बेंच ने कहा- यह चौकाने वाला है कि समस्या की जड़ में मौजूद एक आदमी अभी तक पकड़ा नहीं जा सका है। अगर उसके खिलाफ हजारों झूठे आरोप हैं, लेकिन इनमें अगर एक भी आरोप सही है तो आपको उसकी जांच करनी चाहिए। आप बेवजह लोगों को परेशान कर रहे हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था की पहली छमाही में वृद्धि रफ्तार बरकरार

निजी पूंजीगत व्यय के नए दौर से वृद्धि के अगले चरण को गति मिलने की उम्मीद

मुंबई हलचल / मुंबई

भारतीय अर्थव्यवस्था ने वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में हासिल की गई वृद्धि की रफ्तार को बरकरार रखा है और कॉरपोरेट क्षेत्र द्वारा पूंजीगत व्यय के नए दौर से वृद्धि के अगले चरण को गति मिलने की उम्मीद है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के बुलेटिन में मंगलवार को यह बात कही गई।

बुलेटिन में अर्थव्यवस्था की स्थिति' पर एक लेख में कहा गया, ''हाल के महीनों में यह धारणा मजबूत हुई है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था 2024 में उम्मीद से अधिक मजबूत वृद्धि हासिल करेगी और जोखिमों को व्यापक रूप से संतुलित किया गया है।"

अगले चरण को बढ़ावा मिलेगा

लेख के मुताबिक, उच्च आवृत्ति संकेतकों के आधार पर कहा जा सकता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने 2023-24 की पहली छमाही में हासिल की गई गति को बरकरार रखा है। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देवव्रत पात्रा के नेतृत्व वाली एक टीम द्वारा लिखे गए लेख में कहा गया, 'कॉरपोरेट क्षेत्र द्वारा पूंजीगत व्यय के नए दौर की उम्मीद से वृद्धि के अगले चरण को बढ़ावा मिलने की संभावना है।'

खास बातें

- कॉरपोरेट क्षेत्र को अगले चरण में गति मिलने की उम्मीद
- वैश्विक अर्थव्यवस्था उम्मीद से अधिक मजबूत वृद्धि हासिल करेगी

जीडीपी दर सात फीसदी रहने का अनुमान

केंद्रीय बैंक ने 2024-25 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर सात प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। लेख में कहा गया कि रिवर और चार प्रतिशत की मुद्रास्फीति जीडीपी वृद्धि की गति को बनाए रखने के लिए आधार तैयार करती है। आरबीआई ने 2024-25 के दौरान उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है।

बैंकों और वित्तीय संस्थाओं ने किया ऋण स्वीकृत

जिन परियोजनाओं के लिए बैंकों और वित्तीय संस्थानों ने ऋण स्वीकृत किए हैं, उनकी कुल लागत अप्रैल-दिसंबर, 2023 के दौरान 2.4 लाख करोड़ रुपये थी। यह राशि पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक है। कुल मिलाकर इस साल अब तक निजी कॉरपोरेट क्षेत्र के निवेश इरादे सकारात्मक रहे हैं।

ऋण-जीडीपी अनुपात पर आईएमएफ का तर्क खारिज

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के एक लेख में देश के सामान्य सरकारी ऋण के बारे में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के तर्क को खारिज किया गया है। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देवव्रत पात्रा के नेतृत्व वाली एक टीम द्वारा लिखे गए लेख में इस बात पर जोर दिया गया कि ऋण-जीडीपी अनुपात अनुमान से काफी कम हो सकता है। 'राजकोषीय समेकन के अनुकूल वृद्धि का आकार' शीर्षक वाले लेख में कहा गया है कि अनुमान से मिले निष्कर्षों से पता चलता है कि विवेकपूर्ण राजकोषीय समेकन और वृद्धि के बीच मध्यम अवधि की पूरकता अल्पकालिक लागत से अधिक है।

श्रम बल को कुशल बनाने पर खर्च

लेख के मुताबिक, सामाजिक और भौतिक बुनियादी ढांचे, जलवायु कार्यवाही, डिजिटलीकरण और श्रमबल को कुशल बनाने पर किए जा रहे खर्च का दीर्घकाल में फायदा मिल सकता है। आरबीआई के फरवरी बुलेटिन में प्रकाशित लेख में कहा गया है कि सामान्य सरकारी ऋण-जीडीपी अनुपात आईएमएफ के अनुमानित पथ से कम है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

उत्तराखंड हलचल

देह व्यापार का धंधा कलियर जैसी धार्मिक जगह को शर्मसार करने वाला है

लखनऊ की फिरदोश भी इतनी मशहूर नही थी, जितनी कलियर की भूरी मशहूर हो गई है

आज कल कलियर की हर गली हर कूचे में चर्चे हैं तो बस भूरी के, मीठे जहर की दलदल में नौजवान

मुंबई हलचल/फहीम अहमद राज

पिरान कलियर हरिद्वार। आपने 1968 में आई फिल्म डायरेक्टर विनोद कुमार द्वारा निर्देशित फिल्म मेरे हुजूर जरूर देखी होगी। इस फिल्म ने उस टाइम बॉक्स ऑफिस पर खूब धमाल मचाया था। खासतौर से इस फिल्म का एक डायलॉग जो आज भी बहुत ही प्रचलित है। इस फिल्म में लखनऊ की फिरदौस नाम की एक तवायफ होती है जो अपने मखमली हुस्न के जलवों में हर अच्छे शरीफ इंसानों को फसाकर बर्बाद कर देती है । फिरदौस ने फिल्म के नायक यानी जितेंद्र को भी अपने दिलफरेब हुस्न के जलवों में फसा लिया था। जिस की खबर जितेंद्र की पत्नी फिल्म की नायिका माला सिन्हा को लगती है तो वह रोती हुई फिल्म के दूसरे नायक राजकुमार के पास जाती हैं और ये सारा माजरा बताती है। लास्ट में माला सिन्हा राजकुमार को कहती है की क्या आप फिरदौस को जानते हो तो राज कुमार बड़े ही इत्मीनान से कहते है-

ऐसी लखनऊ में कौन सी फिरदौस है जिसे मैं नहीं जानता

इस डायलॉग के कारण ये फिल्म सुपर हिट हुई और यह डायलॉग हमेशा के लिए अमर हो गया। लेकीन आज हम जिस फिरदौस की बात कर रहें हैं दरसल वो फिरदौस नही उसका नाम भूरी है। सच तो ये है कि इतनी फेमस तो लखनऊ में फिरदौस भी नहीं थी जितनी कलियर में भूरी हो रही है। आज कल कलियर में हर एक नौजवान से लेकर बूढ़े तक की जुबान पर बस भूरी का नाम है। और हो भी क्यों नही भूरी का दिलकश अंदाज, दिलफरेब अदाएं, लंबी लहराती जुल्फे हर किसी को दीवाना बना रही हैं। भूरी के नाजों अंदाज के चर्चे आज कल कलियर की हर गली हर कूचे में सुनाई दे रहे हैं बस हमारी कर्मठ निष्ठावान पुलिस तक भूरी के किस्से नही पहुंच पा रहे हैं।

कलियर एक धार्मिक स्थलों में से एक है यहां पर पूरे देश के सभी धर्मो के लोगो की आस्था जुड़ी हुई है। और यहां आए दिन हजारों की तादाद में जायरीन जियारत करने और अपना रूहानी ईलाज, मन्नतों मुरादों के लिए अकीदतमंद लोग आते हैं। और इस दुनियां की भागदौड़ से अलग मन को शांत करने के लिए आस्था के साथ रहते हैं । लेकीन इस रूहानी अकीदतमंद जमीन को भूरी जैसी महिलाओं ने शर्मशार कर के रख दिया है। इस पाक आस्था वाली जमीन को यह महीला देह व्यापार से छोटी छोटी उमर के नौजवानों को इस मीठे जहर का मजा चखा कर उनको बरबाद कर रही है । सिर्फ ये ही नही बल्कि यह इस से भी बडा घातक कार्य कर रही है। यह महीला अन्य सीधी साधी महिलाओं को भी इस दल दल में धकेल रही है । आज कल इसने अपनी पुरी भूरी एंड कंपनी बना ली है जो कलियर के चारों ओर सक्रिय हैं नौजवानो को देह व्यापार में बरबाद कर रही हैं।

भूरी ऐसे जाल में फसाती है दूसरी महिलाओं को

आपको मालूम हैं कलियर एक ऐसी जगह है जो

लाखो लोगो की आस्था का केंद्र है। यहां रोज सैकडो, हजारों लोग अपनी आस्था लेकर आते हैं। इनमे से कुछ ऐसी महिलाएं भी होती हे जिनका अपने पति या घर वालो से मन मुटाव चल रहा है। भूरी ऐसी महिलाओ पर खास ध्यान रखती है ओर उनके प्रति सहानुभूति दिखाकर उनसे दोस्ती करती है । फिर उनको या तो अपने घर पर रखती है या उनको कोई कमरा किराए पर दिलवा देती है। ये सीधी साधी महिलाएं इसकी मीठी मीठी बातों में आ जाती है फिर ये देखती है की अब मेरा पुरा रंग महिला पर चढ़ गया है तो फिर ये कलियर की फिरदौस उनको इसी देह व्यापार के दल दल में धकेल देती हैं। न जानें कितनी महिलाओं को इस भूरी ने गलत कृत में धकेल दिया। सबसे बड़ी विडंबना तो यह है की इन जेसी महिलाओं को कुछ सफेद पॉश लोगो के साथ साथ कुछ गेस्ट हाउस वालो का भी इनको संरक्षण मिला हुआ है। उन्हीं के दम पर यह महिलाएं इस धार्मिक जगह को शर्मसार कर रही है। बात अगर पुलिस की करें तो वह इन मामलों से अंजान नही है, खुफिया विभाग भी अंजान नही है। लेकीन सब कुछ जानते हुऐ भी अंजान बने रहना ये तो पुलिस की आदत है। यदि कार्रवाई की बात होती भी है तो पुलिस बड़ी आसानी से कोर्ट और दूसरी रूलिंग का हवाला देकर अपना पल्ला झाड़ लेती हैं। लेकिन क्या अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर जो परोसा जा रहा है वह एक धार्मिक स्थान पर कहां तक जायज है? क्या इन जैसी महिलाओं पर लगाम लगना जरूरी नही है? जो पूरे समाज को शर्मसार कर रही हैं। क्या इस सामाजिक कुरूती को दूर करना हम सबकी जिम्मेदारी नहीं है? क्या हम आने वाली नस्लों को ऐसे माहौल में नहीं धकेल रहे हैं जहा उनका भविष्य बर्बाद हो रहा है?

मुंबई हलचल की टीम ने इस संबंध में कलियर के कुछ राजनीतिक, सामाजिक, और बुद्धिजीवियों, से बात की है आइए जानते हैं क्या है राय है उनकी इस विषय पर

इस संबंध में सबसे पहले हमने पूर्व सभासद परवेज मलिक से बात की तो उन्होने देह व्यापार से नौजवानो को आगाह करते हुए इसकी कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि कलियर जैसे धार्मिक स्थान पर इस तरह का कृत होना अपने आप में शर्मशार कर देना वाला कार्य है। कलियर में ऐसे घटिया कार्यों पर तुरंत रोक लगे और इस तरह के काम करने वाले लोगो पर सख़्त कार्यवाही होनी चाहिए।

इसी संबंध में हमने हल्लू मजरा के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि हसीन मालिक से बात की तो उन्होंने कहा है कि कलियर एक धार्मिक स्थल है यहां से लाखों करोड़ों लोगों की आस्था जुडी हुई है । यहां पर दूर-दूर से लोग ज्यादातर मन्नत मुरादों के लिए आते हैं लेकिन आजकल कलियर में इस देह व्यापार ने अपनी जड़े जमा ली है जिस कारण यह पाक धार्मिक स्थल शर्मशार हो रहा है। ओर बड़े पैमाने पर हमारे युवा इस दल दल में फस कर अपना भविष्य खराब कर रहे हैं। कलियर जैसे धार्मिक स्थान पर इस तरह के घटिया काम पर तुरंत प्रभाव से रोक लगनी चाहिए और इस काम में लिप्त सभी लोगों पर गंभीर कार्रवाई होनी चाहिए।

इसी कड़ी में हमने क्षेत्र के सोशल एक्टिविस्ट समीर ठेकेदार से बात की तो उन्होंने कड़े शब्दों में इसकी निंदा करते हुए कहा है कि कलियर जैसे धार्मिक स्थल पर देह व्यापार का होना अपने आप में कलंकित कर देने वाला काम है। यहां आज कल एक भूरी नाम की महीला देह व्यापार में पुरी तरह से लिप्त हैं, शाम होते ही ये महीला बड़े ही नाजों अंदाज में कलियर की सड़को पर उतरकर इस घिनौने कृत्य को अंजाम दे रही है। बल्की अब तो इसने अपना पुरा सक्रिय गैंग भी बना लिया है जो नौजवानों को इस दलदल में धकेल रहा है जल्द ही इस घटिया काम पर रोक नहीं लगी तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने होगे।

इसी बीच हमने क्षेत्र के जाने-माने पत्रकार व न्यू प्रेस क्लब पिरान कलियर के अध्यक्ष मनव्वर कुरैशी से बात की तो उन्होंने कहा है कि देह व्यापार आजकल कलियर की पहचान बन गया है। इसमें कुछ प्रशासन के लोग भी जिम्मेदार हैं जिस वजह से यह कलियर जैसी धार्मिक जगह पर हो रहा है । कलियर जैसे धार्मिक स्थान पर देह व्यापार का होना शर्मनाक है हम सभी को आगे आकर इस पर रोक लगानी होगी। ओर प्रशासन को इस मामले में शख्त कार्यवाही करनी होगी।

इसी बीच हमने क्षेत्र के जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता भूरा ऊर्फ गोल्डन से बात की तो उन्होंने कहा है कि कलियर जैसी पाक धरती पर देह व्यापार का होना बहुत ही शर्म नाक है। देह आजकल कलियर की पहचान बन गया है। इसमें कुछ यहां पर गेस्ट हाउस ऑनर भी ऐसे कार्य करने वाले लोगो को संरक्षण दे रहे हैं जिस वजह से देह व्यापार कलियर जैसी धार्मिक जगह पर फल फूल रहा है । कलियर जैसे धार्मिक स्थान पर देह व्यापार का होना शर्मनाक है हम सभी को आगे आकर इस पर रोक लगानी होगी। ओर प्रशासन को इस मामले में शख्त कार्यवाही करनी होगी।

हवाई यात्रा का सपना होगा पूरा

मुंबई हलचल/संवाददाता

हल्द्वानी। हल्द्वानी से मुनस्यारी, पिथौरागढ़ व चंपावत का सफर गुरुवार से आसान होने वाला है। हेरिटेज एविएशन कंपनी का सात सीटर हेलीकाप्टर हल्द्वानी से तीनों क्षेत्रों के लिए उड़ान भरेगा और बाद में वापस हल्द्वानी आएगा। इस हेली सेवा से पर्यटन कारोबार बढ़ने की भी उम्मीद है। हल्द्वानी से मुनस्यारी, पिथौरागढ़ व चंपावत का सफर करने में कई घंटे लग जाते हैं। केंद्र सरकार व सीएम पुष्कर सिंह धामी ने पहाड़ पर पर्यटन को बढ़ावा देने व स्थानीय लोगों की परेशानियों को देखते हुए हेली सेवा शुरू करने का वादा किया था। इसी क्रम में हेरिटेज एविएशन ने हेलीकॉप्टर सेवा शुरू करने की तैयारी की। दो फरवरी को गौलापार हेलीपैड से मुनस्यारी, पिथौरागढ़ व चम्पावत के लिए ट्रायल हुआ। हेलीकॉप्टर तीनों जगह तक पहुंचा और वापस हल्द्वानी आया था। एसडीएम पारितोष वर्मा ने बताया कि हेरिटेज एविएशन और यूकाडा की टीम की ओर से ट्रायल किया गया। डीजीसीए की टीम ने फाइनल ट्रायल के बाद हेली सेवा को स्वीकृति प्रदान की है। सात सीटर हेलीकाप्टर प्रतिदिन दो पालियों में अपनी सेवा देगा। देहरादून से पिथौरागढ़ के लिए दो फरवरी को व्यावसायिक उड़ान शुरू हुई थी। विमान सेवा कंपनी फ्लाई बिग द्वारा देहरादून से पिथौरागढ़ के बीच 19 सीटर विमान का संचालन सप्ताह में तीन दिन शुक्रवार, सोमवार व मंगलवार को किया जाता है, लेकिन पिछले शुक्रवार से यह सेवा बाधित चल रही है। मंगलवार को लगातार तीसरी बार कंपनी का विमान देहरादून से उड़ान नहीं भर सका। फ्लाइट रद होने के कारण देहरादून से पिथौरागढ़ के बीच आवाजाही करने वाले यात्रियों को निराश होना पड़ा। इधर, फ्लाई बिग कंपनी के एयरपोर्ट मेनेजर हामिद खान ने बताया कि ऑपरेशनल कारणों के चलते देहरादून व पिथौरागढ़ के बीच हवाई सेवा बाधित चल रही है। यात्रियों को फ्लाइट रद्द होने की जानकारी एक दिन पूर्व ही दे दी गई थी और सभी यात्रियों का किराया भी वापस लौटा दिया गया है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार से हवाई सेवा सुचारू रहने की उम्मीद है।

परिवार संग कलियर शरीफ पहुंचे मोहम्मद शामी, दरगाह पर चढ़ाई चादर

मुंबई हलचल/संवाददाता

कलियर। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी मंगलवार को परिवार के साथ कलियर दरगाह पहुंचे। उन्होंने दरगाह में चादर चढ़ाकर देश की सुख-शांति की दुआ मांगी। इस दौरान उनके साथ खानपुर से निर्दलीय विधायक उमेश कुमार भी मौजूद रहे। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी परिवार संग निजी दौरे पर कलियर दरगाह आए थे। उन्होंने प्रशंसकों का अभिवादन किया। मोहम्मद शमी के साथ दरगाह पहुंचे खानपुर विधायक उमेश कुमार ने कहा कि शमी को देवभूमि से बेहद लगाव है। इस दौरान सज्जादानशीन परिवार के शाह यावर मियां साबरी, आरिफ मालिक, सबलू, अमजद मलिक, इसरार शरीफ, तजमीम मलिक, गोल्डन, सुहेल अली, दानिश अली, गुलफाम अली, जब्बार अली, अर्सलान, आफताब, पीरजी, राशिद अली, अकरम अली व इमरान अली समेत सैकड़ों प्रशंसक मौजूद रहे। मोहम्मद शमी उत्तराखंड जाते रहते हैं। एक बार शमी ने हादसे का शिकार हुए व्यक्ति की मदद की थी। निजी दौरे पर नैनीताल पहुंचे भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी नारायण नगर क्षेत्र में हुए कार हादसे को देख चोटिल पर्यटक की मदद में जुट गए थे। शमी ने अपनी कार रोककर घायल को खुद फर्स्ट एड देकर पुलिस की मदद से अस्पताल भी पहुंचाया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बंद दरवाजों के पीछे : कमाठीपुरा के सेक्स वर्कर समुदाय के अंदर

द्वाराः वामिका त्रेहन और मुस्कान पवार

'आप वास्तव में किसी जगह की वास्तविकता को तब तक नहीं समझ सकते जब तक आप उसके दिल की धड़कन को महसूस नहीं करते, उसकी सड़कों पर नहीं चलते और उसकी कहानियाँ नहीं सुनते।' -कविता, एक सेक्स वर्कर की बेटी।

मानव तस्करी की छायादार अंडरवर्ल्ड में, उनकी जैसी कहानियाँ अक्सर खामोश कर दी जाती हैं, उनकी आवाजें शोषण के शोर में दबा दी जाती हैं। एक महिला के लिए, जिसका नाम अपनी पहचान की रक्षा के लिए गुमनाम रखा गया है, मुंबई के कमाठीपुरा की यात्रा काफी मासूमियत से शुरू हुई - एक सर्कस की रंगीन अराजकता के बीच।

'बचपन की उथल-पुथल में, नृत्य मेरी सांत्वना बन गया,' वह सोचती है, उसके शब्दों में यादों का बोझ इतनी छोटी उम्र के लिए बहुत भारी होता है। उस महत्वपूर्ण क्षण को याद करते हुए जब एक दयालु आत्मा ने दयालुता का हाथ बढ़ाया, वह याद करती है कि कैसे उसके अकेलेपन ने किसी का ध्यान आकर्षित किया जिसने उसके माता-पिता के बारे में पूछने का साहस किया - उनकी उपस्थिति दूर थी, उनका प्यार उसके परेशान अतीत में छिपा हुआ था। एक क्षणभंगुर क्षण के लिए, उसके आलिंगन की गर्माहट ने राहत दी, वह साझा करती है, उसकी आवाज स्मृति के दर्द से कांप रही है। ''मेरे साथ आओ,' उसने माँ के प्यार का वादा करते हुए आग्रह किया।' स्नेह की उस झलक के लिए आभारी जो उसने कभी नहीं देखी थी, उसने दी गई देखभाल को स्वीकार कर लिया, स्नेह का स्वाद चख लिया जो उसने कभी नहीं जाना था।

लेकिन शांति क्षणभंगुर साबित हुई। नौ साल की छोटी सी उम्र में, मुंबई की सड़कों के कठोर आलिंगन ने उसका स्वागत किया, कमाठीपुरा ने उसे अपनी अथाह गहराइयों में निगल लिया। छाया में बेच दी गई, वह शोषण के खेल में एक मोहरा बन गई - एक ऐसी व्यवस्था का शिकार जो कमजोर और बेजुबानों को अपना शिकार बनाती है।

शोषण के अनवरत चक्र से थककर वह टूटने की कगार पर पहुंच गई। अपने बच्चों को भूखा देखने का बोझ असहनीय हो गया, जिससे उन्हें कठोर कदम उठाने पर विचार करना पड़ा। भारी मन से, उसने मरीन लाइन्स के पानी में उनकी पीड़ा को समाप्त करने के इरादे से, उन्हें मुंबई लाने का दर्दनाक निर्णय लिया। फिर भी, जैसे ही उसने अपने बच्चों को इकट्ठा किया, उसकी मातृ प्रवृत्ति ने हस्तक्षेप किया और उन्हें छोड़ने से इनकार कर दिया। इसके बजाय, उन्होंने कमाठीपुरा में शरण ली, जहां क्रांति फाउंडेशन के रूप में आशा जगी। यौनकर्मियों की बेटियों को सशक्त बनाने के लिए समर्पित इस संगठन ने अंधेरे के बीच रोशनी की किरण पेश की। उनके समर्थन से, उसे यह जानकर सांत्वना मिली कि उसके बच्चों को एक उज्जवल भविष्य का मौका मिलेगा,

Credits: Satish Bate

उन छायाओं से मुक्त होकर जिन्होंने उसकी अपनी यात्रा को प्रभावित किया था।

क्रांति में, मिशन शिक्षा और आश्रय से कहीं आगे तक फैला हुआ था; इसमें अपनी देखरेख में युवा महिलाओं के समग्र विकास को शामिल किया गया। पारंपरिक स्कूली शिक्षा के दायरे से परे, क्रांति ने रचनात्मकता, अन्वेषण और सशक्तिकरण के माहौल को बढ़ावा दिया। सोमवार के संगीत सत्र, मंगलवार को TED वार्ता और सांसारिक बुधवार की सभाओं जैसी पहलों के माध्यम से, युवा महिलाओं को विविध प्रकार के अनुभवों और विचारों से अवगत कराया गया। क्रांति के जीवंत समुदाय के भीतर, उन्हें अपनी आवाज खोजने, अपनी पहचान अपनाने और कमाठीपुरा की छाया से परे दुनिया की जटिलताओं को नेविगेट करने के लिए आवश्यक कौशल विकसित करने के लिए जगह मिली।

यौनकर्मियों के सामने चल रही चुनौतियों के बीच, सामाजिक कलंक, भेदभाव और आवश्यक अधिकारों और सेवाओं तक सीमित पहुंच के कारण उनकी स्थिति और भी खराब हो गई है। कई व्यक्ति आर्थिक कठिनाइयों, व्यवहार्य अवसरों की कमी या दबाव के कारण इस पेशे में आने के लिए मजबूर होते हैं, जिससे वे अपनी सुरक्षा और कल्याण के लिए विभिन्न जोखिमों के प्रति संवेदनशील हो जाते हैं। हालाँकि, इन कठिनाइयों के साथ-साथ, यौनकर्मियों को अक्सर पुलिस की बर्बरता की घटनाओं का सामना करना पड़ता है, जिससे उनकी अन्याय की भावनाएँ तीव्र हो जाती हैं। एक यौनकर्मी की दुखद भावनाएं, जो गुमनाम रहना पसंद करती थीं, गहराई से गूंजती हैंः जब से मैंने यह पेशा शुरू किया है, मैं गुजारा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हूं। मैं कानून का पालन करती हूं, अपने बिलों का भुगतान करती हूं, और फिर भी, मैं' मैं अभी भी अधिकारियों द्वारा हिंसा का शिकार हो रहा हूं। हम सुरक्षा के लिए कहां जा सकते हैं? पुलिस हमारे अधिकारों का उल्लंघन करती है, हमें हमारी इच्छा के विरुद्ध हिरासत में लेती है, और समाज में हम जिस कलंक का सामना करते हैं उसे कायम रखती है।" मानव तस्करी की शिकार 11 साल की कम उम्र की गुड्डी, जिसे जबरन वेश्यालय में बेच दिया गया और जब तक उसकी आत्मा नहीं टूट गई, तब तक उसे बंधक बनाकर रखा गया, वह अपनी आपबीती बताती है, वह बताती है, मैंने पुलिस से मदद मांगी, लेकिन सहायता देने के बजाय, उन्होंने मुझे तीन महीने तक चेंबूर जेल में कैद रखा। मेरे और अनगिनत अन्य लड़कियों के लिए यह दर्दनाक रूप से स्पष्ट हो गया कि पुलिस हमारी भलाई के बजाय पैसे को प्राथमिकता देती है। उनकी मार्मिक गवाही न केवल मानव तस्करी के पीड़ितों के प्रति कानून प्रवर्तन की प्रतिक्रिया की भयावह वास्तविकताओं पर प्रकाश डालती है, बल्कि प्रणालीगत परिवर्तन की तत्काल आवश्यकता की याद दिलाती है।

न्यायमूर्ति एल. नागेश्वर राव की अगुवाई वाली तीन-न्यायाधीशों की पीठ द्वारा हालिया फैसला, इस कथा में एक महत्वपूर्ण परत जोड़ता है। अदालत ने कहा कि यौनकर्मी भी भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गारंटीकृत गरिमापूर्ण जीवन के समान हकदार हैं। यौनकर्मियों के साथ पुलिस के व्यवहार के 'क्रूर और हिंसक' तरीके पर चिंता व्यक्त करते हुए, वह अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसा लगता है जैसे यौनकर्मी ₹एक ऐसा वर्ग हैं जिनके अधिकारों को मान्यता नहीं दी जाती है। पुलिस और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों को यौनकर्मियों के अधिकारों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए, जो सभी बुनियादी मानवाधिकारों और संविधान में सभी नागरिकों को दिए गए अन्य अधिकारों का भी आनंद लेते हैं। फिर भी, सवाल कायम हैः उत्पीड़न और दुर्व्यवहार का यह चक्र कब खत्म होगा? न्यायिक स्वीकृति एक महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन यौनकर्मियों द्वारा सहन किए जाने वाले भेदभाव और हिंसा की बेड़ियों से मुक्त होने के लिए व्यापक सुधार और एक सामाजिक बदलाव आवश्यक है।

इसके अलावा, एचआईवी/एड्स पर मौजूदा बहस ने यौनकर्मियों को और अधिक कलंकित किया है, उन्हें बीमारी के 'संवाहक' और 'वाहक' के रूप में लेबल किया है। संचरण को प्रभावित करने वाले जटिल सामाजिक-राजनीतिक कारकों की अनदेखी करते हुए, सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने वेश्यावृत्ति में महिलाओं को शामिल किया है। यह दृष्टिकोण यौनकर्मियों को बहिष्कृत मानने के ऐतिहासिक दृष्टिकोण को कायम रखता है। संग्राम की महासचिव मीना शेषु ने मान्यता की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए कहा, यह स्वीकार करने में असमर्थता कि वेश्याओं के अधिकारों के लिए आंदोलन को वेश्यावृत्ति में महिलाओं और स्वयं यौनकर्मियों द्वारा सूचित किया जा सकता है, मानवाधिकारों से इनकार का एक हिस्सा है जाति, वर्ग, नस्ल या धर्म के आधार पर मुख्यधारा की महिलाओं के साथ भेदभाव। यौनकर्मियों को न केवल पीड़ित के रूप में बल्कि एचआईवी की रोकथाम में शक्तिशाली एजेंट के रूप में भी पहचानना महत्वपूर्ण है। भारत में कार्यक्रमों ने दिखाया है कि शिक्षा पहल में यौनकर्मियों को शामिल करना अत्यधिक प्रभावी हो सकता है। उदाहरण के लिए, वेश्याएं सोशल एक्टिविटी इंटीग्रेशन (एसएआई) के साथ काम करती हैं, जो कि दीदी ('सिस्टर') प्रोजेक्ट पर आधारित एक छोटा एनजीओ है। ये महिलाएं एचआईवी, एसटीडी और महिलाओं के अधिकारों के बारे में जो कुछ भी सीखती हैं उसे अपने समुदायों में वापस ले जाती हैं और दूसरों को कंडोम और एचआईवी परीक्षण के महत्व के बारे में सिखाती हैं, जिससे उन्हें उद्देश्य और आत्म-सम्मान की भावना मिलती है - इसके अलावा उन्हें जोखिम को कम करने में मदद मिलती है। यौन रोग. हालाँकि, यह मान्यता स्वीकृति से आगे बढ़कर बैठकों, सम्मेलनों और कार्यक्रम नियोजन में सक्रिय समावेशन तक विस्तारित होनी चाहिए, जिससे यौनकर्मियों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक व्यापक और अधिकार-आधारित दृष्टिकोण सुनिश्चित हो सके।

क्या आप अपने दिल की धड़कनों में खिंचाव महसूस कर रहे हैं, सोच रहे हैं कि आप इस उद्देश्य के लिए अपना हाथ कैसे बढ़ा सकते हैं? समाधान वास्तविकता को अपनाने में निहित है, जैसा कि कविता ने खूबसूरती से सवाल किया है, क्या आप कमाठीपुरा की सड़कों पर चलेंगे, केवल एक पर्यवेक्षक के रूप में नहीं, बल्कि एक दयालु गवाह के रूप में, जो प्रभावित होने के लिए तैयार है? एक यौनकर्मी की बेटी कविता द्वारा व्यक्त की गई भावनाओं पर विचार करते हुए, यह स्पष्ट हो जाता है कि किसी स्थान के सार को समझना सतही टिप्पणियों से परे है। इसके लिए उन लोगों को सुनने, सहानुभूति रखने और उनके साथ एकजुटता से खड़े होने की ईमानदार प्रतिबद्धता की आवश्यकता है जिनकी आवाजें बहुत लंबे समय से हाशिए पर हैं। इन वास्तविक प्रयासों के माध्यम से, हम कमाठीपुरा की परछाइयों को आशा की किरण में बदलना शुरू कर सकते हैं, जिससे सभी के लिए अधिक न्यायपूर्ण और न्यायसंगत भविष्य का मार्ग प्रशस्त हो सके।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रहीं डायना पेंटी

बॉलीवुड एक्ट्रेस डायना पेंटी अब तक कुछ ही फिल्मों का हिस्सा बनी हैं, लेकिन उन्होंने अपने अभिनय से सभी का दिल जीता है। खबर आई है कि हिन्दी फिल्मों में काम करने के बाद अब डायना मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं। खबरों के अनुसार रोशन एंड्रयू के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म को 'सल्यूट' शीर्षक दिया है। इस फिल्म में मलयालम इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता दुलकर सलमान को लीड रोल में देखा जाएगा। खबर के अनुसार, यह एक एक्शन फिल्म होगी। रोशन जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू करने की योजना बना रहे हैं। पहले फिल्म की शूटिंग पिछले साल ही शुरू होने वाली थी, लेकिन कोरोनावायरस के कारण बीच में ही फिल्म का काम रुक गया। जबकि इसी साल के अंत तक इसे रिलीज करने की योजना है। गौरतलब है कि अब दुलकर सलमान ने भी इन खबरों की पुष्टि कर दी है। साथ उन्होंने बताया कि यह एक पैन इंडिया फिल्म है। इसे मलयालम भाषा में शूट करने के अलावा कई भाषाओं में डब भी किया जाएगा। इस फिल्म को कोल्लम, तिरुवनंतपुरम, कासरगोड और नई दिल्ली की लोकेशन्स पर शूट किया जाएगा। हालांकि, फिलहाल इस फिल्म को लेकर आधिकारिक तौर पर ऐलान किया जाना अभी बाकी है। फिल्म की कहानी के बारे में कहा जा रहा है कि यह एक इन्वेस्टिगेटिंग थ्रिलर फिल्म होगी। फिल्म में शानदार एक्शन सीन्स भी देखने को मिलेंगे। फिलहाल दुलकर सलमान और डायना के किरदारों को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

आज सात जन्मों के लिए एक हो जाएंगे रकुल-जैकी

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी जल्द ही एक दूसरे के साथ शादी के बंधन में बंधने के लिए तैयार हैं। रकुल के माता-पिता को गोवा में वेन्यू के बाहर पैपराजी से बातचीत करते भी देखा गया, उन्होंने यह भी खुलासा किया कि रकुल और जैकी भगनानी शादी के बाद आएंगे और तस्वीरें भी क्लिक कराएंगे। वरिण धवन अपनी पत्नी नताशा दलाल के साथ जैकी और रकुल की शादी समारोह में शिरकत करने पहुंचे। अभिनेता ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर वैन्यू से खाने की कुछ तस्वीरें अपने फैंस के साथ साझा की है। गोवा एयरपोर्ट पर कल शिल्पा शेट्टी पति राज कुंद्रा के साथ नजर आई। आयुष्मान खुराना वाइफ ताहिरा कश्यप के साथ दिखे। अर्जुन कपूर, लव रंजन, डेविड धवन और भी कई स्टार्स नजर आए। वरुण धवन प्रेग्नेंट बीवी नताशा दलाल संग सोमवार को ही एयरपोर्ट पहुंच गए थे। सारे बॉलीवुड स्टार बाराती बनने को तैयार हैं। रकुल और जैकी अपनी शादी को पूरी तरह से निजी रखना चाहते हैं। वह अपनी शादी की तस्वीरें को खुद ही शेयर करेंगे। इसलिए मेहमानों को फोन का इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं होगी। उनके फोन सिक्योरिटी गार्ड द्वारा कलेक्ट कर लिए जाएंगे। फैंस को कपल की शादी की तस्वीरों के इंतजार है।

'छोटे रोल के लिए मोटी फीस ले रहीं एक्ट्रेस...'

बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने गैंग्स ऑफ वासेपुर, महारानी और मोनिका, ओ माय डार्लिंग जैसी फिल्मों में अपनी दमदार अदाकारी दिखाई है। वह फिल्म इंडस्ट्री की सबसे प्रतिभाशाली एक्ट्रेसेज में एक हैं। हाल में उन्होंने एक्ट्रेसेज के बीच फीस की असमानता यानी पे पेरिटी को लेकर बात की है। उन्होंने कहा की इंडस्ट्री में बड़ी एक्ट्रेसेज फीस को प्रभावित करती हैं। उन्होंने कहा कि बड़े एक्टर और एक्ट्रेसेज अक्सर ज्यादा फीस लेते हैं, चाहे उनके रोल छोटे या कम मेहनत वाले ही ही क्यों न हो। हुमा कुरैशी ने ये भी कहा कि स्टार जितना बड़ा होता है, उसकी फीस उतनी ही ज्यादा होती है, भले की उसका स्क्रीन टाइम कम हो। हुमा ने ऑल अबाउट ईव के पॉडकास्ट आफ्टरहॉर्स में कहा, इंडस्ट्री में यही परंपरा बनी हुई है। जितना बड़ा स्टार होता है, वो उतना ज्यादा घर ले जाता है। भले ही उनका स्क्रीन टाइम कम होता है और उनके किरदार छोटे होते हैं।